FOLLOW THE DRINKING GOURD

By Jeanette Winter

सप्तऋषि की दिशा में जाओ

जेयानेट विंटर, हिंदी: विदूषक

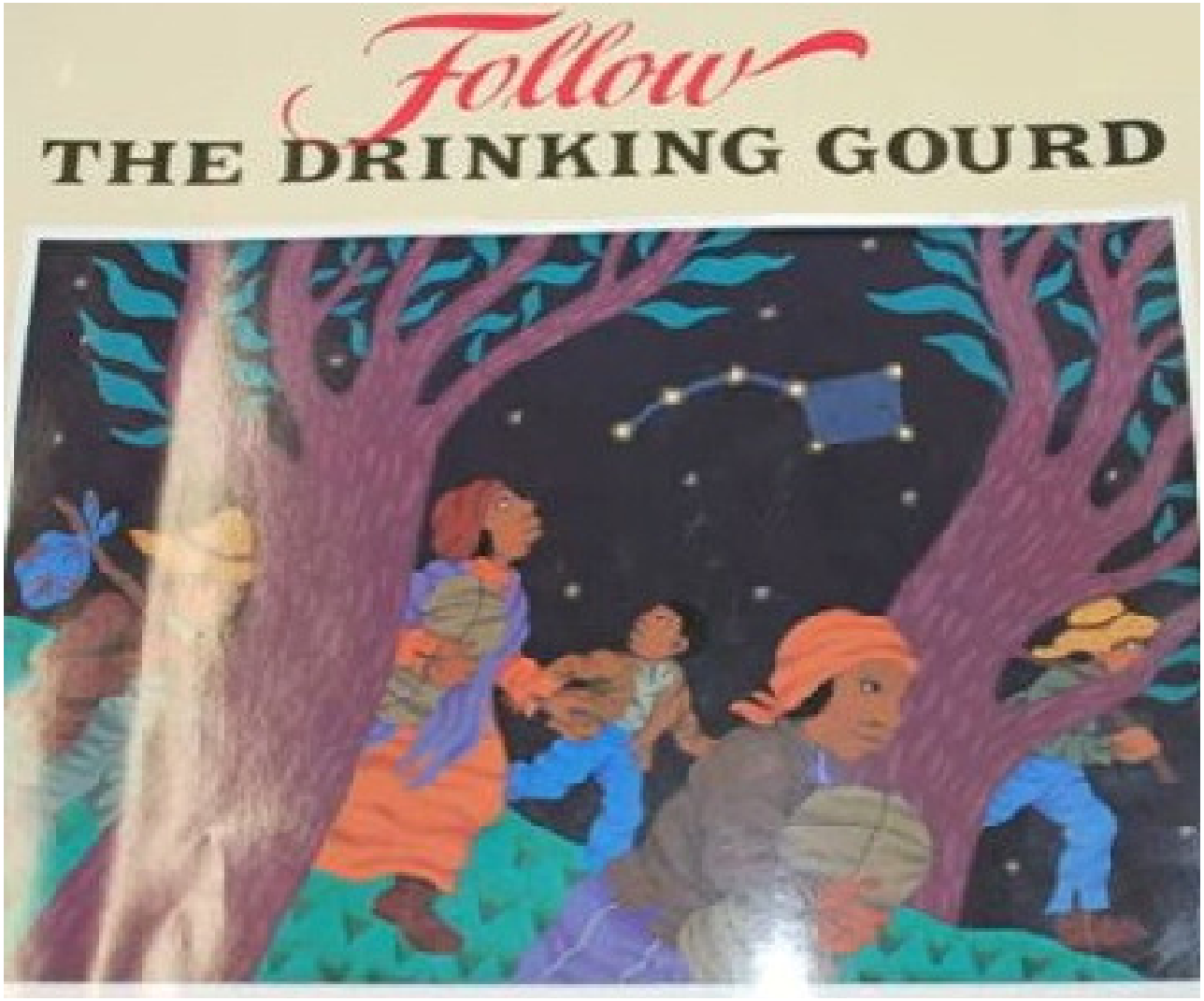

सप्तऋषि की दिशा में जाओ

जेयानेट विंटर, हिंदी: विदूषक

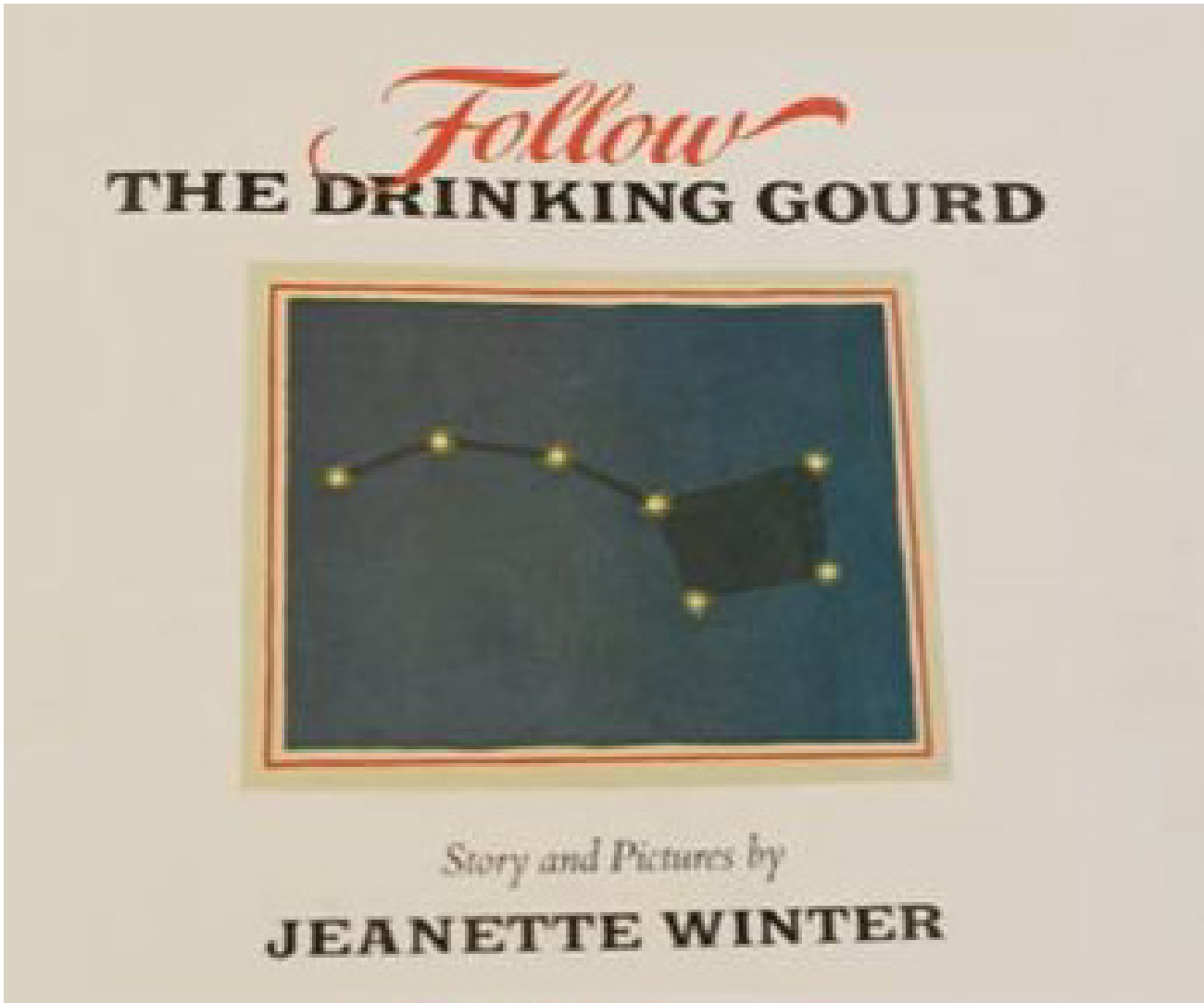

A NOTE ABOUT THE STORY

In the early days of slavery in the United States many slaves tried to escape their cruel bondage by fleeing north – usually to Canada - to freedom. By the 1840s a loosely organized group of free blacks, slaves, and white sympathizers formed a secret network of people and places that had escaped salves on their dangerous journey to freedom – a network that came to be known as the Underground Railroad.

Traveling along darkened roads at night, hiding out by day, moving slowly upriver along hundreds of miles of connecting waterways, the fugitive slaves endured many hardships. Slave catchers hunted them down with dogs. Many were shot or hanged. And even after crossing into the "free" states, runaway slaves could still be captured and returned to their masters for a reward.

The most famous conductor on the Underground Railroad was Harriet Tubman, a runaway slave herself, who led hundreds of her people to freedom. Among other conductors, there was a one-legged sailor named Peg Leg Joe. Joe hired himself out to plantation owners as a handyman. Then he made friends with the slaves and taught them what seemed a harmless folk song – "Follow the Drinking Gourd." But hidden in the lyrics of the song were directions for following the Underground Railroad. The Drinking Gourd is the Big Dipper, which points to the North Star. "When the sun comes back, and the first quail calls" meant spring, when travel might be least hazardous. As the runaway slaves followed the stars north, they would come across marks Peg Leg Joe had made in mud or in charcoal on dead trees – a left foot and a peg foot – and they would know they were on the right trail.

The river that "ends between the two hills" was the Tombigbee River. The second was the Tennessee River and the "great big river" was the Ohio River, where Peg Leg Joe would be waiting to ferry them across to the free states on the other side. From there the fugitives were guided from one hiding place to the next until – with luck – they made it to Canada or other safe places in the North.

कहानी के बारे में एक नोट

अमरीका में गुलामी के शुरूआती दिनों में, कई गुलामों ने मुक्ति के लिए पलायन की कोशिश की. मुक्ति के लिए वो उत्तर की ओर कनाडा की ओर जाते. 1840 तक, मुक्त अश्वेत लोगों, गुलामों, और गोरे समर्थकों और सुरक्षित स्थानों का एक गुप्त जाल स्थापित हो चुका था. यह लोग पलायन कर रहे गुलामी की मदद करते. यह जाल "अंडरग्राउंड रेलरोड" के नाम से जाना गया.

गुलाम रात के अँधेरे में यात्रा करते और दिन में छिपते. नदी के किनारे सैकड़ों मील चलते-चलते उन्हें बहुत कष्ट उठाना पड़ता. गुलामों को खोजने और पकड़ने के लिए मालिक, कुत्तों से लैंस विशेष सिपाही भेजते. "मुक्त" राज्य में पहुँचने के बाद भी, भगोड़े गुलामों को फिर से पकड़कर "ईनाम" के लिए उन्हें मालिकों को सौंपा जा सकता था.

"अंडरग्राउंड रेलरोड" की सबसे मशहूर पात्र हेरिएट टबमैन थीं. उन्होंने सैकड़ों गुलामों को मुक्ति दिलाई. एक अन्य पात्र था - एक पैर वाला नाविक - पेग-लेग-जो. वो प्लांटेशन मालिकों के यहाँ जाकर काम करता. वो वहां काम कर रहे गुलाम लोगों से दोस्ती करता, और उन्हें एक सीधा-सादा गीत सिखाता – "फॉलो द ड्रिंकिंग गौर्ड". इस गीत के शब्दों में "अंडरग्राउंड रेलरोड" यानि गुलामी से मुक्ति का रास्ता छिपा था. यहाँ "ड्रिंकिंग गौर्ड" का अर्थ है "सप्तऋषि" तारों का समूह – जो उत्तर में ध्रुव-तारा दिखाता है. जैसे-जैसे गुलाम मुक्ति-पथ पर आगे बढ़ते, वैसे-वैसे उन्हें पेग-लेग-जो द्वारा मिटटी में, या मरे पेड़ों पर बने कोयले के निशान दिखते. यह चिन्ह क्या थे – एक बांया पैर, और दूसरा लकड़ी का बना कत्रिम पैर. इससे गुलामों को पता चलता कि वो सही रास्ते पर हैं.

"दो पहाड़ियों के बीच नदी" टॉमबिगबी नदी का गुप्त नाम था. दूसरी नदी, टेनेसी नदी थी, और "विशाल महान नदी" ऑहियो-नदी का पर्याय थी. ऑहियो-नदी पर पेग-लेग-जो, भागे गुलामों का इंतज़ार कर रहा होता और वो उन्हें नदी पार एक "मुक्त" राज्य में छोड़ेता. वहां से गुलाम एक घर में छिपकर, दूसरे घर में जाते – और अगर वे भाग्यशाली होते, तो वहां से कनाडा या उत्तर में किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर पहुँचते.

Long ago before the Civil War there was an old sailor called Peg Leg Joe who did what he could to free the slaves.

अमरीका में गृह-युद्ध से पहले एक नाविक था जिसका नाम था पेग-लेग-जो. वो गुलामों को मुक्त कराने का भरपूर प्रयास करता.

Joe had a plan to use hammer and nail and saw, and work for the master. The man owned slaves on the cotton plantation.

पेग-लेग-जो बढईगीरी का काम जानता था. वो कपास के खेत मालिक के पास काम करता जहाँ बहुत से गुलाम होते.

Joe had a plan at night when work was done he taught the slaves a song that secretly told the way to freedom. Just follow the Drinking Gourd it said.

पेग-लेग-जो रात के समय, उन गुलामों को एक गीत सिखाता. गीत के शब्दों में उनकी मुक्ति का रास्ता छिपा होता. वो उनसे कहता “फॉलो द ड्रिंकिंग गौर्ड” यानि “सप्तऋषि तारामंडल” की दिशा में पलायन करो.

When the song was learned and sung all day Peg Leg Joe would slip away and work for another master and teach the song again.

जब गुलाम गाना सीख जाते और उसे दिन भर गाते तब, पेग-लेग-जो वहां से कट लेता. फिर वो किसी दूसरे मालिक के यहाँ काम करता और वहां के गुलामों को भी वही गीत सिखाता.

One day a slave named Molly saw her man James sold to another master. James will be taken away and the family torn apart. Just one more night together.

एक दिन महिला गुलाम मौली के पति जेम्स को, उनके मालिक ने किसी दूसरे को बेंच दिया. जेम्स के जाने से पूरा परिवार टूट जाता. वो पति-पत्नी की एक साथ आखरी रात थी.

A quail calls in the trees that night. Molly and James remember Joe's song.

They sing it low:

उस रात पेड़ों में से बटेर की आवाज़ सुनाई दी. मौली और जेम्स को तुरंत, पेग-लेग-जो का गीत याद आया:

“When the sun comes up and the first quail calls, follow the Drinking Gourd.”

“जब सूरज की पहली किरणों के साथ बटेर की आवाज़ सुनाई दे. तब “सप्तऋषि तारामंडल” की दिशा में पलायन करो.”

They looked to the sky and saw the stars. Taking their son Isaiah, old Haddie and her grandson George, Molly and James set out for freedom that very night following the stars of the Drinking Gourd.

उन्होंने आसमान में तारों की ओर देखा. अपने बेटे इसायाह, बूढ़ी हैडी और उसके पोते जॉर्ज को लेकर, मौली और जेम्स उसी रात, मुक्ति की राह पर निकल पड़े. वो “सप्तऋषि तारामंडल” की दिशा में चले.

They ran all night through the fields till they crossed the streams of the woods.

सारी रात वो खेतों में से गुज़रे, फिर उन्होंने जंगल के छोटे नालों को पार किया.

When daylight came they hid in the trees watching, listening for the master's hounds that were loose to find them.

जब दिन निकला तो वो घने पेड़ों में छिप गए. वहां वे अपने मालिक द्वारा भेजे सिपाहियों और कुत्तों की आवाजें सुनते रहे.

But the dogs lost the runaway scent at the stream and Molly and James and Isaiah old Haddie and young George were not found. They hid all day in the woods.

पर नाला पार करने के बाद कुत्ते उनके शरीर की गंध को नहीं सूंघ पाए. मौली, जेम्स और इसायाह, बूढ़ी हैडी और जॉर्ज सिपाहियों से बच निकले. वो पूरे दिन उस घने जंगल में छिपे रहे.

At night they walked again singing Joe's song and looking for the signs that marks the trail.

पूरे रात भर वो चले, और धीमे आवाज़ में पेग-लेग-जो का गीत गाते रहे. वो सही रास्ते के चिन्हों को भी खोजते रहे.

Sometimes empty bellies to sleep on. Sometimes no stars to guide the way.

कभी-कभी उन्हें खाली पेट भी सोना पड़ता. कभी बादलों वाली रात में, तारों की निशानी भी छिप जाती.

“Now the river bed makes it a very good road, The dead trees were showing the way
The foot peg for travel, and follow the Drinking Gourd.”
“नदी का तल है अच्छी सड़क, मरे पेड़ थे रास्ते के चिन्ह,
लकड़ी का पैर था सही निशान, सप्तऋषि की दिशा में आगे बढ़ो.”

Walking by night, sleeping by day for weeks they travelled on. Sometimes berries to pick and corn to snatch and sometimes fish to catch.

रात को चलने और दिन में सोने का सिलसिला कई हफ़्तों तक जारी रहा. रास्ते में वो कभी बेर खाते, कभी मक्का. और कभी नदी की मछली से अपना पेट भरते.

They never knew what lay ahead. There was danger from men who would send them back and danger from hungry beasts. But sometimes a kind deed was done.

आगे क्या होगा यह उन्हें नहीं पता होता. कुछ लोग उन्हें तलाश रहे थे. अगर वो पकड़े जाते तो उन्हें मालिक के पास वापिस भेजा जाता. रास्ते में जंगली जानवरों का भी डर था. पर कभी कोई अच्छी बात भी घट जाती.

One day as they hid in a thicket a boy from a farm found them. In a bag of feed for the hogs in the wood he brought bacon and corn bread to share. Singing low they traveled on.

एक दिन जब वे सब घने जंगल में छिपे थे तो पास के फार्म के एक लड़के के ने उन्हें खोज निकला. उसने क्या किया? वो सूअरों के लिए दाना लेकर जा रहा था. वो बोरे में छिपाकर उनके लिए कुछ मीट और मक्का की रोटी लाया.

“The river is between the two hills, follow the Drinking Gourd.

There is another river on the other side, follow the Drinking Gourd.”

“दो पहाड़ियों के बीच में नदी है, सप्तऋषि की दिशा में चलो आगे.

दूसरी ओर एक और नदी है, सप्तऋषि की दिशा में चलो बढ़ो.”

On and on they followed the trail to the river's end. From the top of the hill they saw the new path – another river beneath the stars to lead them to freedom land. The Drinking Gourd led them on. The song was almost done.

वो लोग नदी के किनारे-किनारे चलते गए. फिर पहाड़ी के ऊपर उन्हें एक नई राह दिखाई दी – रात के तारों में उन्हें दूसरी नदी दिखाई दी, जो उन्हें मुक्ति के पथ पर आगे ले जाएगी. सप्तऋषि तारों का समूह उनका पथ-प्रदर्शक बना. अब गीत ख़त्म होने आया था.

“When the great big river, meets the little river, follow the Drinking Gourd,

For the old man is waiting to carry you to freedom, if you follow the Drinking Gourd.”

“जहाँ छोटी नदी, बड़ी नदी को मिलती है, वहां सप्तऋषि की दिशा में आगे बढ़ो.

क्यूंकि एक बूढ़ा, तुम्हें मुक्ति दिलाने के लिए इंतज़ार कर रहा है.”

They climbed the last hill. Down below was Peg Leg Joe waiting at the wide Ohio River to carry them across. Their spirits rose when they saw the old man. Molly and James and Isaiah, old Haddie and George ran to the shore.

अंत में उन्होंने आखरी पहाड़ी चढ़ी. नीचे पेग-लेग-जो, चौड़ी ऑहियो नदी पार करवाने के लिए उनका इंतज़ार कर रहा था. उस बूढ़े आदमी को देखकर उनकी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा. मौली, जेम्स और इसायाह, बूढ़ी हैडी और जॉर्ज नदी के किनारे की ओर दौड़े.

Under a starry sky Joe rode them across the wide Ohio River. He told them of hiding places where they would be safe – a path of houses stretched like a train on a secret track leading north to Canada. He called it the Underground Railroad. It carried riders to freedom.

उस तारों से भरी रात में पेग-लेग-जो ने उन सभी को चौड़ी ऑहियो नदी पार कराई. पेग-लेग-जो ने उन्हें छिपने के अनेकों स्थान भी बताए – यह जगहें बहुत सारे घर थे जो रेल के डिब्बों की तरह, उत्तर की ओर कनाडा जाते हुए एक गुप्त रास्ते पर बसे थे. उन्हें "अंडरग्राउंड रेलरोड" के नाम से जाना जाता था. वो मुसाफिरों को मुक्ति दिलाती थी.

The first safe house stood on the hill. The lamp was lit which meant it was safe to come. Ragged and wary they waited well. Joe signaled low with a hoot like an owl. Then the door opened wide to welcome the freedom travelers.

पहला सुरक्षित घर एक पहाड़ी पर स्थित था. अगर घर के बाहर का बल्ब जलता होता, तो उसका मतलब होता कि सबकुछ सुरक्षित था. थके-मांदे वो तसल्ली से इंतज़ार करते रहे. फिर पेग-लेग-जो ने सीटी बजाकर उनको सिग्नल दिया. तब घर का दरवाज़ा खुला और "मुक्ति मुसाफिरों" का वहां दिल खोल का स्वागत हुआ.

They were rushed through the house to the barn for the farmers knew there were slave-catchers near.

उन्हें जल्दी से घर से एक किसान के खलिहान में ले जाया गया. वहां के किसानों को पता था कि गुलामों को पकड़ने वाले सिपाही उस इलाके में मौजूद थे.

A trapdoor on the floor took them under the barn to hide until it was safe to move on.

Then Peg Leg Joe went back to the river to meet others who followed the Drinking Gourd.

घर में एक तहखाना था. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुसाफिरों को उसमें छिपाया गया.

पेग-लेग-जो दुबारा फिर से, नदी के तट पर वापिस चला गया जिससे कि वो और

“मुक्ति मुसाफिरों” की मदद कर सके.

This time James called the signal a hoot like an owl that opened the door to a Quaker farm the travelers were led to a secret room hidden behind the shelves.

इस बार जेम्स ने बाकी मुसाफिरों को सीटी बजा कर इशारा दिया. फिर एक दरवाज़ा खुला जो उन्हें एक “क्वेकर फार्म” में ले गया. वहां पर मुसाफिरों को एक शेल्फ के पीछे छिपे गुप्त कमरे में छिपाकर रखा गया.

With dangers still near to close for ease the farmers send the five travelers on. He drew a map that showed the way to North on the midnight road to the next safe house just over two hills.

क्यूंकि बाहर के माहौल में अभी भी खतरा था, इसलिए किसानों ने मुसाफिरों को आगे भेजा. उन्होंने मुसाफिरों के लिए एक नक्शा बनाया जिसमें आगे उत्तर का रास्ता अंकित था. मुसाफिर रात भर सफ़र करने और दो पहाड़ियां पार करने के बाद दूसरे सुरक्षित मकान में पहुचें.

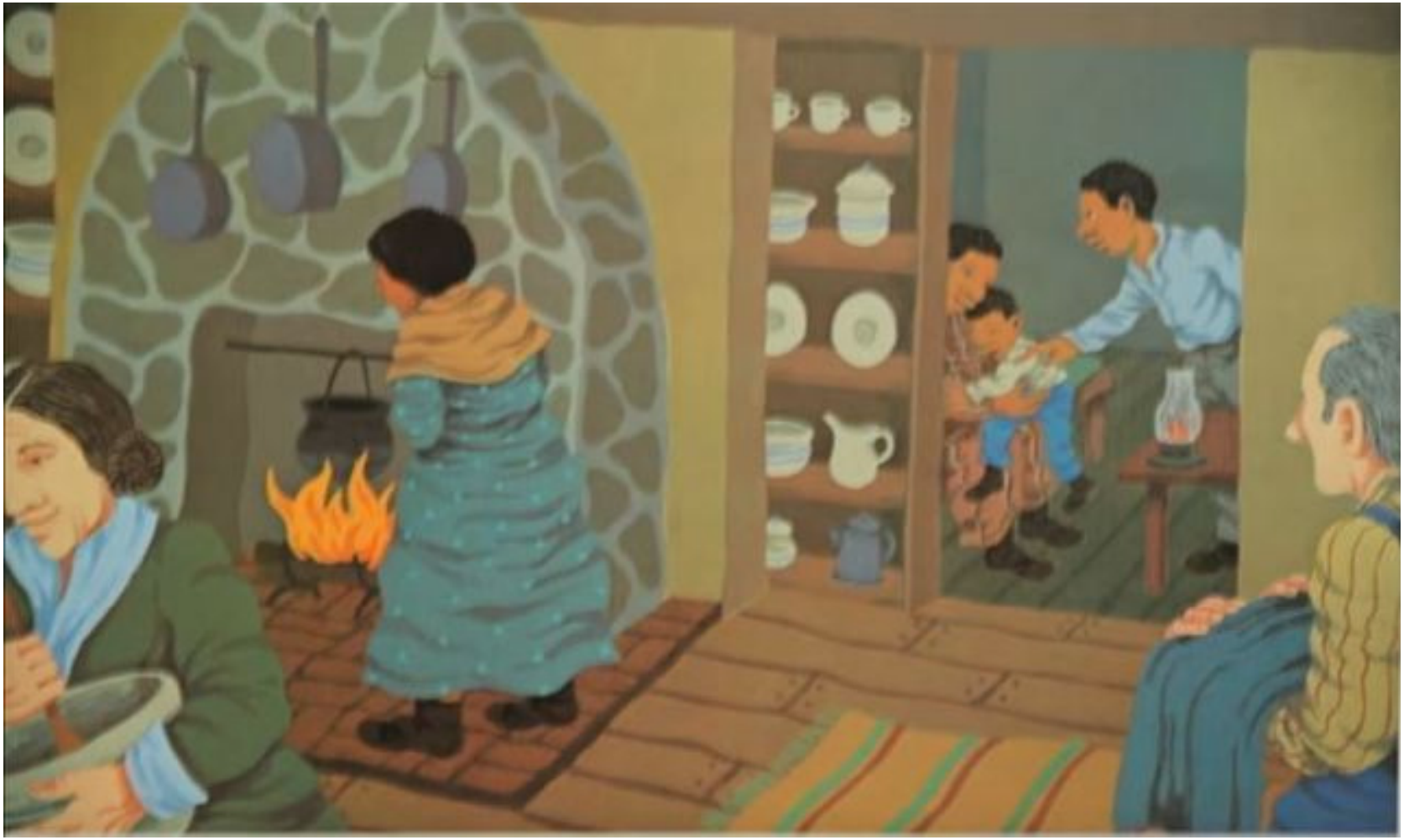

They rested here for many days and heal their wounds soft beds, full meals, new clothes; hot baths washed away some fear and pain.

मुसाफिर वहां कई दिन रुके और उन्होंने अपने हारे-थके पैरों को आराम दिया. वहां उन्हें पेट भर खाना, नए कपड़े, रात को पलंग पर सोने के लिए गद्दे और नहाने के लिए गरम पानी मिला. इससे मुसाफिरों का काफी दुःख-दर्द मिटा.

Isaiah smiled.

पहली बार इसायाह मुस्कुराया.

When they were strong they traveled again from house to house on the underground trail still following the drinking gourd north.

अपनी ताकत को दुबारा बटोरने के बाद वो एक-सुरक्षित घर से दूसरे घर में गए. वो लगातार सप्तऋषि मंडल के तारों की दिशा में उत्तर की ओर अग्रसर होते रहे.

Sometimes they traveled on foot, sometimes they by cart. The wagon they rode near their journeys and carried fruit to market and runaways to freedom.

अक्सर वो पैदल ही चले, पर कुछ यात्रा उन्होंने घोड़ागाड़ी पर तय की.

उन घोड़ागाड़ियों में बाज़ार के लिए फल लदे होते थे, इसीलिए कोई उनपर शक नहीं करता था. इस तरह से मुक्ति यात्रियों ने अपना सफ़र तय किया.

At last they came to the shores of Lake Erie. Molly and James and Isaiah old Haddie and young George climbed aboard the steamship that would carry them across to Canada for freedom. Five more souls are safe old Haddie cried. The sun shone bright when they stepped on land. They had followed the Drinking Gourd.

अंत में मुक्ति-मुसाफिर ऐरी झील के तट पर पहुंचे. वहां मौली, जेम्स और इसायाह, बूढ़ी हैडी और जॉर्ज एक भाप से चलने वाले जहाज़ पर चढ़े. उस जहाज़ ने उन्हें झील पार कनाडा के मुक्ति तट पर पहुँचाया. वहां पहुँचकर बूढ़ी हैडी की आँखों में आंसू थे. वो खुश थी कि पांच जानें बचीं. जब वो कनाडा में उतरे तब सूरज अपनी पूरी रोशनी से चमक रहा था. उन्होंने सप्तऋषि के तारों की दिशा में सफ़र किया था.